वार्षिक प्रगति प्रतिवेदनवर्ष

2023. 2024

ANNUAL REPORT

2023..2024

जन कल्याण सेवा संस्था नेरूवा
गाँव व डाकघर नेरूवा, तहसील चौपाल
जिला शिमला, हि0प्र0 – 171210
email: jkss6299@gmail.com

Jan Kalyan Sewa Sanstha Nerwa
V.P.O Nerwa, Tehsil Chopal,
District Shimla H.P. 171210
Mobile : 9418064733, 9816733403

निर्देशक का संदेश

प्रिय समर्थकों,

2023-2024 के कार्यों पर विचार करते हुए , मुझे जो गर्व और आभार महसूस हो रहा है , उसे व्यक्त करना कठिन है। इस वर्ष , जन कल्याण सेवा संस्था ने शिक्षा तक पहुंच को बेहतर बनाने , स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने और नेरवा क्षेत्र में पर्यावरण की रक्षा के लिए कई उपलब्धियां हासिल कीं।

हालांकि हमें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, आपकी अटूट समर्थन से हमें अनगिनत जीवन को छूने का अवसर मिला। साथ मिलकर, हम अपने समुदायों के लिए एक उज्जवल, स्वस्थ और टिकाऊ भविष्य बना सकते हैं।

इस यात्रा का हिस्सा बनने के लिए धन्यवाद।

सादर,

[हरिराम डोगरा]

निर्देशक , जन कल्याण सेवा संस्था

❖ संस्था का परिचय :

जन कल्याण सेवा संस्था नेरवा एक गैर राजनीतिक, धर्म –निर्पेक्ष, सामाजिक एवं स्वैच्छिक संस्था है। जो कि पंजीकरण सभाएं अधिनियम 21 के 1860 के अर्न्तगत पंजीकृत है। संस्था की स्थापना वर्ष 1999 में जिला शिमला के विकास खंड चौपाल में जनहित के कार्य करते हुए की गई है संस्था का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण हिमाचल प्रदेश है। हमारी जन कल्याण सेवा संस्था वर्तमान समय में हिमाचल प्रदेष के दो जिलों में वर्ष 2013 से आज तक जिला शिमला व जिला सिरमौर में सम्पूर्ण स्वच्छता पेयजल मिशन पर कार्य कर रही है। संस्था हिमाचल के **सभी** जिलों में कार्य कर रही है

भारत के अलग अलग राज्यों में संस्था कम कर रही है. जैसे की उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश आदि.

जिला का नाम	विकास खण्डों के नाम					
शिमला	चौपाल	ठियोग	रोहडू	जुब्बल कोटखाई	चिड़गांव(डोडरा क्वार)	
सिरमौर	षिलाई	पांवटा साहिब	नाहन	संगड़ाह	सराहां	राजगढ़
किन्नौर	सांगला	पूह	निचर	निचर	कल्प	....
कुल्लू	निरंद	बनजार	भुंतर	कुल्लू	अननी	.....
सोलन	कंडाघाट	अर्की	कुन्निहर	नालागढ़	धरमपुर	बद्दी
चंबा						
मंडी						
हमीरपुर						
बिलासपुर						
काँगड़ा						
लाहौल स्पीती						
उना						

❖संस्था का उद्देष्यः

- स्वास्थ्य
- शिक्षा,
- जागरूकता,
- पर्यावरण सुरक्षा
- बेरोजगार नवयुवक/युवतियों को स्वावलम्बी के लिए व्यवसायिक प्रशिक्षण देना।

- बेरोजगार नवयुवक/ युवतियों को आत्म–निर्भर बनाने के लिए आधुनिक तकनीकियों एवं उपलब्धियों की जानकारी हासिल करवाकर अमीर व गरीब की खाई को न्यूनतम करना।
- महिला मण्डल एवं नव युवक/युवति संगठन को सशक्त बनाना।
- हर वर्ग व जाति समुदाय का उत्थान करना।
- वैज्ञानिक तकनीक पर आधारित खेती व बागवानी को बढ़ावा देना
- किसानों की समस्याओं का निवारण करना।
- समाज में व्यापत असमाजिक कुरितीयों को शिविर के माध्यम से दूर करने का प्रयास करना।
- समाज में बढ़ रहे नशखोरी से नौजवानों को बचाना ।

❖ गतिविधियाँ:-

- बेरोजगार नवयुवक और युवतियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कृषि व बागवानी पर नए–नए वैज्ञानिक तकनीक पर आधारित खेती व बागवानी पर केंद्रित करने के लिये गांव –गांव में जाकर जागरूकता प्रसार शिविर लगाने काकार्य करती है।
- संस्था बेरोजगाार युवक व युवतियों को आत्म निर्भर करने का कार्य कर रही है। बदलते आधुनिक तकनीकियों एवं उपलब्धियों की जानकारी हासिल करवाकर अमीर व गरीब की खाई को न्यूनतम करना है।
- संस्था का विचार है कि जो बेसहारा व विकलांग बच्चें है उनके लिए संस्था सरकार के माध्यम से विशेष सहायता करेगी तथा 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के वृद्धों गरीबों व असहाय पात्र सदस्यों के लिए संस्था सरकार के माध्यम से विशेष मद्द करना चाहती है ताकि विशेष असहाय व गरीब जरूरतमंदों की सहायता की जा सके।

- संस्था रेप्लिकतिओन प्रोग्राम के जरिये ग्राम नाविनिकर्ण का प्रयास कर रही है जिसमे निमन्लिखित उदेशेय की पूर्ति की जा सके !
- १. गाँव में लोगो से मिलना, गाँव की जानकारी इक्कठा करना, गाँव की समस्यों को जानना, गाँव का सर्वे करना, लोंगों को स्वास्थ्य जागरूकता एवं नशा निवारण के बारे में प्रशिक्षण देना, युवाओं एवं युवतियों को नई दिशा नई सोच की और अगर्सर करना !
- २. समाज में नशे की बिमारिओं एवं नशे की लत को जड से ख़तम करना !
- ३. नशीली दवाओं का दुरूपयोग एवं अवेध तस्करी के खिलाफ कदम उठाना !
- ४. नशीली दवाओं के दुरूपयोग को रोकने के लिए गाँव में नशा मुक्ति अभियान को संचालित करना !
- ५. जिला स्तर पर समुदाय आउटरीच कार्यकर्मो को संचालित करना !

❖ कार्यक्षेत्र की समस्याः

मुख्यतः इस पहाडी क्षेत्र में मिली–जुली संस्कृति देखने को मिलती है इस क्षेत्र में परम्परा व रीति–रिवाजों सांस्कृतिक रूप से सम्पन्न है वहीं दूसरी ओर अन्धविश्वासों जैसे– जाति–पाति, बाल–विवाह, दहेज प्रथा, नषाखोरी जैसी अनेक समस्याऐं विद्यमान है जिसके कारण विकास की प्रक्रिया में लोगों को जोड़ना मुष्किल होता है इसके साथ शिक्षा स्वास्थ्य यातायात जैसी मूलभूत सुविधाओं की दूर दराज क्षेत्रों में काफी अभाव है। लोगों का मुख्य व्यव्साय कृषि व पशुपालन है कुछ क्षेत्र में लोगों की आजिविका बागवानी पर निर्भर है लोग कृषि का कार्य अभी तक परम्परागत तरीके से ही करते हैं अधिकतर खेती वर्षा पर निर्भर करती है।

❖ वर्ष के दौरान कार्यक्रम की गतिविधियाँ:

संस्था द्वारा विगत वर्ष 2023...2024 में नम्नलिखित गतिविधियों का सफल संचालन किया

- डा0 भीमराव अम्बेदकर जयंती का आयोजन करना
- चिकित्सा स्वास्थ्य जाँच षिविरों का आयोजन करना
- राष्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता अभियान
- महिला मंडल का संचालन
- नव युवक मण्डल का संचालन
- नये स्वयं सहायता समूह गठन करना
- अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन
- दक्षता निर्माण गतिविधियां
- महिला एवं युवतियों को सिलाई–कढ़ाई तथा बुनाई का प्रषिक्षण देना
- नर्सरी उगाना और वृक्षरोपण करना
- अक्षम विषेष आवासीय विद्यालय एवं अनाथालय का संचालन
- पानी की उत्तम गुणवता तथा जल जांच षिविर
- राष्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता अभियान
- महिला जागरूकता अभियान
- संक्षिप्त पाठयक्रम का संचालन

❖ <u>नये स्वयं सहायता समूह के साथ मिल कर कार्य करना</u>

स्वयं सहायता समूह)SHG) और गैर सरकारी संगठन -(NGO) भारत की विकास प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि हम स्वयं सहायता समूह की बात करे, तो यह एक अनौपचारिक समूह होता है, जिसमें लोग अपनी समस्याओं को दूर

करने के लिए एक साथ कार्य करते है | स्वयं सहायता समूहों की एक महत्वपूर्ण विशेषता आपसी समर्थन का विचार है , जिसके अंतर्गत लोग एक दूसरे की मदद करते हैं। इसके अलावा स्वयं सहायता समूह स्थिति और आवश्यकता के आधार पर कई अलग अलग उद्दे-श्यों की पूर्ति करते हैं| साधारण भाषा में, स्वयं सहायता समूह निर्धन और असहाय लोगों (एसएचजी) का एक छोटा समूह होता है| इस प्रकार के समूह के सदस्यों को समान समस्याओं वाले लोग शामिल होते है, जो एक एक दूसरे की मदद करते हैं अर्थात- समस्याओं का समाधान करते हैं। इस उद्वेष्य की पुर्ति हेतु संस्था ने यह निर्णय लिया है कि नये स्वयं सहायता समूहों का गठन करना अति आवष्यक है जिससे महिलाओं का आत्मविष्वास और आत्मनिर्भरता संभव हो सके।

❖ स्वास्थय जॉच षिवर का आयोजन करने बारेः–

संस्था ने हर गांव जाकर लोगों को इस निशुल्क शिविर का लाभ उठाने के लिए लोगों को प्रेरित किया जाता है इन शिविरों में अनेक प्रकार के चैकअप किए जातें हैं जैसेकि आंखों के टैस्ट व पत्थरी **का ऑपरेशन और अन्य सभी उपचार सफल तरीके से निःशुल्क किए जाते हैं** स्वस्थ मन को बनाए रखने के लिए हमें स्वस्थ शरीर की आवश्यकता होती है। हालाँकि , हम अक्सर अपने दिमाग को उतना ही महत्व देना भूल जाते हैं। आज हम सभी की तनावपूर्ण

जीवनशैली के बावजूद, हम वार्षिक शारीरिक जांच के लिए जाने पर विचार करते हैं , लेकिन वार्षिक मानसिक जांच के लिए नहीं।

यहां सवाल उठता है कि क्या मानसिक स्वास्थ्य एक बड़ी बात है? चूंकि मानसिक स्वास्थ्य में सामाजिक, भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक कल्याण के तीनों महत्वपूर्ण पहलू शामिल हैं , यह हमारे समग्र स्वास्थ्य की सुदृढ़ता में एक अभिन्न भूमिका निभाता है। यह जीवन के किसी भी पड़ाव पर बचपन से लेकर बुढ़ापे तक महत्वपूर्ण है।

❖ **<u>कम्बल व् खाद्य सामग्री वितरण</u>:-**

जन कल्याण सेवा संस्था द्वारा पहाड़ी क्षेत्रों में लोगो को कम्बल व् खाने पीने कि सामग्री उपलब्ध कराई गयी जिस से गरीब व् पिछड़े वर्ग के लोगो कि सहायता कि जा सके । पहाड़ी दुर्गम स्थानों में बहुत सर्दी व्

बर्फ़बारी होने के कारन लोगो को काफी परेशानी उठानी पड़ती है. संस्था हमेसा ऐसे लोगो कि सहायता करने में तत पर रहती है । इस वर्ष कुल्लू किन्नौर व् शिमला चोपला के पहाड़ी क्षेत्रों में कम्बल व् खाद्य सामग्री वितरण संचालन कार्यक्रमों को सफल किया गया।

*** Replication Training seminar:-**

जन कल्याण सेवा संस्था द्वारा शिमला, सिरमौर, सोलन व् किन्नौर के विभिन्न उपमंडलो में **Replication Training Program** का आयोजन किया गया जिसमे जवानों ने बड चढ़ के हिस्सा लिया. तथा leadership के बारे में

जानकारी प्राप्त की ! आज के समय में पढ़े–लिखे युवा वर्ग को स्वरोज़गार हेतु प्रषिक्षण व प्रोत्साहित किया जाना अति जरूरी है। संस्था द्वारा इसी समस्या के समाधान हेतु ग्रामीण महिलाओं, युवक/युवतियों को विभिन्न सरकारी विभागों के अन्तर्गत व्यवसायिक एवं तकनीकि प्रषिक्षण दिलाए जायेंगे।

साक्षरता कार्यक्रम:-

साक्षात्कार एक व्यवस्थित विधि मानी जा सकती है जिसके द्वारा एक व्यक्ति एक ' अपेक्षाकृत अजनबी के आन्तरिक जीवन से न्यूनाधिक कल्पनात्मक रूप से प्रवेश करता है। साक्षात्कार दो व्यक्तियों मे एक " सामाजिक स्थिति

बनाता है , जिनमे निहित मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया के लिए यह आवश्यक है कि दोनों व्यक्ति परस्पर प्रतिउत्तर करते रहें, यद्यपि साक्षात्कार के सामाजिक खोज के उद्देश्य मे सम्बंधित दलों से बहुत भिन्न उत्तर प्राप्त होते है ।जन कल्याण सेवा संस्था नेरवा जिला

सिरमौर के विकास खंड **शिल्लाई** में जनहित के कार्य करते हुए **नए प्रौढ़** शिक्षा कार्यक्रम कर रही है इस शिक्षा पांच आयाम हैं जिनमें बुनियादी अंक ज्ञान, साक्षरता के साथ ही महत्वपूर्ण जीवन कौशल से जुड़ा ज्ञान दिया जाना शामिल हैं। साथ ही , बालिकाओं और महिलाओं , अनुसूचित जाति व जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग व अल्पसंख्यक समुदायों, दिव्यांगजनों, हाशिये पर स्थित समूहों, घुमंतू व निर्माण श्रमिकों, मजदूरों आदि श्रेणियों को प्राथमिकता दी जाती है

❖ नशा मुक्ति अभियान

आज के समय में युवा नशे कि ओर बड़ी तेजी से बढ़ रहे है पंजाब के बाद हिमाचल की युवा पीढ़ी कम काज छोड़ कर नशे कि ओर अपने क़दमों को बढ़ा रही है जिससे युवा पीढ़ी का भविष्य खतरे मे है. इस

समस्या से उनके माता पिता को सामाजिक समस्यों का सामना करना पड़ता है. जन कल्याण सेवा संस्था नेरवा इस समस्या से निपटने के लिए

हिमाचलप्रदेश के विभिन जिलो में हर साल नशा मुक्ति शिविर लगाती है. ताकि युवा पीढ़ी इस भयंकर श्राप की चपेट में आने से बच सके.

❖ **डा0 भीमराव अम्बेदकर जयन्ती का आयोजन करने बारेः–**

अंबेडकर जयंती हर साल 14 अप्रैल को देश के संविधान निर्माता भीमराव अंबेडकर के जन्म;दिन के मौके पर मनाई जाती है. वह एक न्यायविद अर्थशास्त्री और दलित थे जिन्होंने भारत के संविधान का

मसौदा तैयार करने वाली समिति का नेतृत्व किया और स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री के रूप में कार्य किया. देश के हर नागरिक के लिए सम-विधान का निर्माण करने वाले अंबेडकर का जीवन अपने आप में एक शिक्षा है. उनकी जयंती के मौके पर गोष्ठीपसभाओं और स्कूलों में स्पींच दिए जाते हैं जन कल्याण सेवा संस्था द्वारा हर वर्ष गोष्ठी, सभाओं का आयोजन किया जाता है संस्था द्वासरा जयंती जिला शिमला के खंड नेरवा में मनाया गया इस में मुख्या अथिथि श्री बलबीर वर्मा जी थे यह जयंती बड़ी धूम धाम से मनाई गुई

❖ अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवसः–

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस प्रतिवर्ष , **८ मार्च** को विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के प्रति सम्मान, प्रशंसा और प्रेम प्रकट करते हुए , महिलाओं के आर्थिक , राजनीतिक और सामाजिक उपलब्धियों एवं कठिनाइयों की सापेक्षता के उपलक्ष्य में उत्सव के तौर पर मनाया जाता है।

अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवस 2023–24 में जिला सिरमौर के ब्लॉक शिलाई ग्राम पंचायत बान्दली में मनाया गया जिसमें शिलाई की सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों की सहायिकाओं और कार्यकर्ताओं तथा सुपरवाईज़र और हरेक पंचायतों की प्रधान एवं लगभग 400 महिलाओं व पुरूषों ने भाग लिया। इस समारोह में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमति मस्तों देवी, आंगनबाड़ी केन्द्र क्लौग सहित 06 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को एस.डी.एम.शिलाई के द्वारा पुरस्कृत किया गया।

ग्रामीण पेयजल एवं स्वत्छता शिविर :-

संस्था द्वारा नियुक्त BRC गांव व पंचायतों में सभी पानी के स्त्रोतों कुंओं चष्मों, नदी, नालों और तालाबों व पानी के बडे भण्डारण टैंकों को भी समय–समय पर जांच करते हैं।

दोनों जिलों के खण्ड समन्वयक प्रत्येक गांव व पंचायतों के सभी स्कूलों, आंगनवाडी केन्द्रों, स्वास्थ्य विभागों व अन्य सभी विभागों और पंचायत के प्रतिनिधियों तथा वार्ड मैम्बरों तथा प्रत्येक सदस्यों को पानी की पूर्ण स्वच्छता व शुद्ध गुणवता तथा उचित रख रखाव की जानकारी, हर बदलते मौसम से पहले व बाद में समय–समय पर दी जाती है।

अनाथ बच्चो को खाना व् शिक्षा प्रोग्राम:-

शिक्षा को बालक तभी अधिकतम ग्रहण कर पाएगे जब वे मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ होंगे .स्वास्थ्य में माता पिता का बड़ा योगदान हैं .प्रारम्भिक स्कूल के समय बालक को यथेष्ठ प्रेम, अपनत्व और स्वीकार्यता की आवश्यकता होती हैं. जन कल्याण सेवा संस्था द्वारा जिला सिरमौर के खंड पओंता साहिब में गरीब व् बेसहारा बच्चो के लिए

मुफ्त शिक्षा व् खाने का प्रबंध किया जाता है जिससे की बचो को शारीरिक पोषण के साथ अच्छी शिक्षा मिल सके !

❖ नर्सरी उगाना व पौधरोपण करनाः–

संस्था फरवरी 2010 **से** हर वर्ष टिक्करी में नर्सरी की बिजाई का कार्य करती है। जिसमें संस्था द्वारा नर्सरी की क्यारियों में देवदार, चुली, अखरोट व कैंथ की बिजाई की जाती है जिसकी पैदावार बहुत अच्छी हो रही है। संस्था वर्ष 2024 में जनवरी व फरवरी में 1200 वृक्षरोपण किया गया है। जिसमें 11 स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने कार्य किया जो कि पिछडे क्षेत्रों में बहुत बड़ी उपलब्धि है नर्सरी की सिंचाई के लिए टैंक का निर्माण किया गया। नर्सरी उगाने व वृक्षरोपण के कार्य संस्था हर वर्ष करती है। संस्था प्रत्येक वर्ष वन महोत्सव मनाती है और 1600 से लेकर 6000 तक वृक्षों का रोपण करती है।

2025 के लक्ष्य:-

1. छात्रवृत्ति योजना के द्वारा छात्रों को सहायता प्रदान करना।
2. कंप्यूटर लैब का निर्माण कर छात्रों को शिक्षा प्रदान करना
3. स्वास्थ्य शिविरों की संख्या बढ़ाकर अतिरिक्त लाभार्थियों तक पहुंच बनाना।
4. १००० पेड़ों को लक्षित करते हुए बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान शुरू करना।
5. हमारे प्रभाव को बढ़ाने के लिए अधिक संगठनों के साथ साझेदारी करना।

- संस्था वृद्ध आश्रम खोलना चाहती है ताकि वृद्ध पुरुषों व् महिलाओ कि देहभाल व् उनकी दवाई का खर्च हम उठा सकें. इसके अलावा संस्था गौ सदन खोलना चाहती है ताकि दूध कि अवसकता पूरी हो

State Bank of India
Account No:- 11577932741
IFSC Code No:-SBIN0008353
MICR NO.17100171
Email _ID:- jkss6299@gmail.com

देखते हुए संस्था गौ–सदन की स्थापना करना चाहती है ताकि दूध इत्यादि से बच्चों को सुविधा मिल सके। संस्था इस कार्यको जनता व सरकार के सहयोग से पूरा करेगी। षिक्षा के अतिरिक्त हम इन छात्रों को खेलकूद मनोरंजन इत्यादि भी करवायेंगे व इसके लिए विषेष षिक्षित अध्यापक रखे जायेंगें। अक्षम व अनाथ विद्यालय में बहुत से समारोहों का आयोजन किया जाता हैं जैसे– दीपावली, दषहरा, स्वतन्त्रता दिवस, गणतन्त्रता दिवस, गांधी जयंती, विकलांगता दिवस, साक्षरता दिवस, बाल दिवस, पर्यावरण दिवस, षिक्षक दिवस आदि का आयोजन किया जाता है। संस्था आयकर के 80–जी. के तहत दान प्राप्त करती है। यदि कोई सज्जन महापुरूष हमारी संस्था को दान करना चाहते हैं तो आप निम्नलिखित खाता संख्या में जमा कर सकते है जिसकी आपको संस्था के माध्यम से रसीद दी जायेगी

धन्यवाद ज्ञापन

हम अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं:

- **दानदाताओं और प्रायोजकों** को उनके उदार योगदान के लिए।
- **स्वयंसेवकों** को उनके अथक प्रयासों के लिए।
- **सामुदायिक नेताओं और साझेदारों** को उनके अमूल्य समर्थन और सहयोग के लिए।

साथ मिलकर, हम स्थायी परिवर्तन ला रहे हैं।

❖ श्रम आभार:

विगत वर्ष के किए गए सफल प्रयासों के कार्यक्रमों में आयोजन हेतू संस्था निम्नलिखित सरकारी व गैर सरकारी विभागों तथा वितीय संस्थानों की आभारी है जिनकी वित्तीय सहायता व मार्ग दर्षन से हम अपने क्षेत्रों में कार्यक्रमों को सफल संचालन कर सकते हैं:–

	संस्था का नाम	कार्यालय
✔	राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक षिमला	शिमला
	केन्द्रीय/हि0 प्र0 राज्य समाज कल्याण बोर्ड	दिल्ली/षिमला
✔	हिमाचल प्रदेष महिला विकास निगम	सोलन
	हिमाचल प्रदेष अनुसुचित जाति एवं अनुसुचित जन जाति का विकास निगम	सोलन
✔	हिमाचल प्रदेष वानिकी क्षेत्र सुधार परियोजना	षिमला
	हिमाचल प्रदेष वॉयलंट्री हैल्थ एसोसिएषन न्यु षिमला	शिमला
✔	राज्य विज्ञान प्रौद्योगिक एवं पर्यावरण परिषद् व पर्यावरण विभाग	षिमला/दिल्ली
	भाषा एवं संस्कृति विभाग	षिमला
✔	विकास विकल्प क्लैप	दिल्ली
	हिमकॉन संस्थान	शिमला
✔	सिंचाई एवं जन स्वास्थय विभाग और कै विभाग षिमला	शिमला
✔	महिला एवं बाल विकास मन्त्रालय, भारत सरकार	नई दिल्ली
	विलेज ट्रांसफॉर्मेशन	संयुक्त राष्ट्र अमेरिका
	सी सी ऍफ़	फिलिपिन्नेस